

विद्या बालन जैसी की चूत चुदाई

“मैं शौकिया काल बॉय का काम कर लेता हूँ... एक बार मेरी एक ग्राहक के बताने पर एक महिला ने मुझे बुलाया, उसे देखा तो वो मुझे काफी हद तक विद्या बालन जैसी लगी.. ...”

Story By: तुषार वर्मा (loverboytushar)

Posted: Thursday, July 23rd, 2015

Categories: [रंडी की चुदाई](#) / [जिगोलो](#)

Online version: [विद्या बालन जैसी की चूत चुदाई](#)

विद्या बालन जैसी की चूत चुदाई

दोस्तो, मेरा नाम तुषार वर्मा है.. मैं दिल्ली से हूँ.. मेरी ऊंचाई 5'8" है और मेरा लिंग सामान्य है.. जैसा कि किसी भी भारतीय व्यक्ति का होता है। मेरी उम्र 25 साल है। अपनी जेब खर्च के लिए मैं कॉल-ब्वॉय जैसा काम भी कर लेता हूँ।

मैंने अन्तर्वासना पर पिछले दो सालों में कई कहानियाँ पढ़ी हैं.. मुझे कुछ सच्ची तो कुछ काल्पनिक लगीं।

अन्तर्वासना पर यह मेरी पहली कहानी है.. बल्कि यह कहानी नहीं एक वाकिया.. एक सच है।

बात साल 2012 अक्टूबर की है... मुझे एक महिला का मेल मिला.. जिसमें उसने मुझसे मिलने की इच्छा जताई। उसने जो लिखा था उसे मैं उसी के शब्दों में बता रहा हूँ।

'हैलो तुषार.. मेरा नाम जाह्नवी है.. और मैं दिल्ली में ही रहती हूँ.. मेरी शादी दो वर्ष पहले हुई थी.. पर मैं आज भी अपनी सेक्स लाइफ से संतुष्ट नहीं हूँ। मैं चाहती हूँ कि आप मुझे संतुष्ट करो.. मुझे आपका मेल आईडी मेरी एक फ्रेंड नीतू से मिला है। उसने बताया था कि आपने उसको कितनी अच्छी तरह से संतुष्ट किया है और वो अब आपसे मिलकर बहुत खुश है। इसलिए मैं भी आपसे मिलना चाहती हूँ.. अगर आप सहमत हों तो कृपया मुझसे अति शीघ्र संपर्क करें। मुझे आपके मेल का इंतज़ार रहेगा.. धन्यवाद.. जाह्नवी।'

तो जब मैंने उसका मेल पढ़ा, सोचने लगा कि क्या करूँ.. उसने अपना फ़ोन नंबर भी दिया हुआ था।

मैंने तभी अपने नंबर से उसको फ़ोन किया.. लगभग चार या पांच रिंग के बाद एक महिला ने फ़ोन उठाया और बड़ी सुरीली आवाज में बोली- हैलो ?

मैं- हैलो.. क्या मैं जाह्नवी जी से बात कर सकता हूँ ?

महिला- जी कहिए.. मैं ही जाह्नवी हूँ।

मैं- हाय मैं तुषार बोल रहा हूँ.. मुझे आपका मेल मिला था।

इतना कहते ही वो बोली- अच्छा अच्छा.. आप मिस्टर तुषार बोल रहे हैं।

मैं- जी हाँ कहिए ?

जाह्नवी- तुषार जी.. अपने मेरा मेल पढ़ा होगा.. तो मुझे ज्यादा बताने की जरूरत तो है नहीं.. बस आप प्लीज.. मुझे बता दीजिए कि क्या आप मुझसे मिलने के लिए सहमत हैं ?

मैंने कहा- जी.. मैं बिल्कुल सहमत हूँ। आप बताइए कहाँ मिलना है ?

उसने पूछा- आपकी फीस कितनी है ?

तो मैंने कहा- जब आपकी नीतू से बात हो ही गई है.. तो फीस भी वही बता देगी।

उसने कहा- ठीक है।

उसने मुझे अपना एड्रेस मैसेज कर दिया।

वैसे उसने पहले ही बता दिया था कि नीतू से उसे मेरा मेल आईडी मिला इसलिए मैं संतुष्ट भी था क्योंकि नीतू अक्सर मुझे बुलाती रहती है।

फिर मैंने उसे एक मैसेज भेजा.. जिसमें लिखा था- जाह्नवी जी.. मैं 2 दिन के बाद मिलता हूँ।

ऐसा मैंने इसलिए लिखा था क्योंकि मुझे थोड़ा काम था।

थोड़ी देर बाद उसका रिप्लाई आया- ओ के तुषार जी।

दो दिन के बाद मैंने जाह्नवी को फोन किया और कहा- जाह्नवी जी क्या मैं आ सकता हूँ ?

उसने कहा- आप दो बजे तक आ जाओ तब तक मेरे पति जा चुके होंगे..

मैं आपको बता दूँ कि जाह्नवी के पति एक बिज़नेसमैन हैं.. वो ज्यादातर घर से बाहर ही

होते हैं।

मैंने अपना फ़ोन का इनबॉक्स खोला उसमें जो एड्रेस था.. वो रोहिणी का था सो मैंने मैट्रो से जाना उचित समझा और मैं तैयार होकर निकल पड़ा।

जाह्नवी की बताई हुई जगह पर पहुँच कर मैंने उसे फ़ोन लगाया- हैलो जाह्नवी जी.. आप बिल्डिंग से नीचे आओगी या मैं सीधे ऊपर आ जाऊँ ?

वो एक बिल्डिंग के तीसरी मंजिल पर एक फ्लैट में रहती थी।

जाह्नवी- आप ऊपर ही आ जाओ.. मेरे पति जा चुके हैं।

मैं सीधा ऊपर जा पहुँचा और दरवाजे की घंटी बजाई। जैसे ही गेट खुला.. एक अच्छी उम्र की महिला.. जिसका फिगर साइज़ करीब 36-34-36 होगा.. बोली- जी आप ?

मैं- जी तुषार..

जाह्नवी- ओह.. आइए..

वो दिखने में काफी हद तक विद्या बालन जैसी थी। उस समय उसने लाल साड़ी पहनी हुई थी.. गहरे गले का ब्लाऊज पहना हुआ था और बहुत ही अच्छा परफ्यूम लगाया हुआ था। वो देखने में विद्या बालन के जैसी लग रही थी।

जाह्नवी- बैठिए तुषार जी.. क्या लेंगे आप ?

मैं- जो आप दे देंगी..

जाह्नवी ने मुस्कुराते हुए कहा- बातें अच्छी करते हो आप.. चलिए बताइए ड्रिंक में सॉफ्ट लेंगे या हार्ड ?

मैं- जो आप चाहो.. वही ले लूँगा।

फिर वो अपने रसोई में चली गई.. तब तक मैं यहाँ-वहाँ देखता रहा.. उसका घर काफी अच्छा था। करीब 2 या 3 मिनट में वो आई तो उसने प्लेट में बियर की दो बोतलें और कुछ स्नैक्स रखी हुई थीं।

प्लेट उसने मेरी सामने टेबल पर रखी और मेरे बगल में आकर बैठ गई ।

बोली- और सुनाइए..

वो पैग बनाने लगी ।

मैं (स्नैक्स हाथ में उठाता हुआ)- तो आपको मेरा कांटेक्ट नोट ने दिया है ?

जाह्नवी- जी हाँ.. वो और मैं अच्छे फ्रेंड्स हैं मैं उससे कुछ नहीं छुपाती ।

मैं- आपके हर्सबैंड कब तक वापस आएंगे ?

जाह्नवी- वो तो 2 दिनों के लिए पूना(मुंबई) गए हुए हैं ।

मैं कुछ और बोलता.. इतने में वो बोली- लीजिये पैग उठाइए..

हम दोनों ने अपनी-अपनी बियर का गिलास चियर्स बोल कर उठाया और जल्द ही खत्म किया और बातें करने लगे ।

अब मैं पूछने लगा कि आपके पति किस टाइप का बिज़नेस करते हैं वगैरह वगैरह..

बियर खत्म होने तक मेरा तो लण्ड पैन्ट से बाहर आने को तैयार था ।

उतने में ही उसकी नज़र मेरी पैन्ट के उभार पर पड़ी तो वो बोली- आपका पप्पू कुछ ज्यादा ही बेचैन हो रहा है ।

मैं- आपको देखकर तो कोई भी बेचैन हो जाएगा.. इसमें इस बेचारे का क्या कसूर ?

जाह्नवी- ओह.. तो कोई बात नहीं.. मैं अभी इसकी बेचैनी दूर कर देती हूँ ।

और फिर..

जाह्नवी- बस आप दो मिनट रुको.. मैं चेंज करके आती हूँ ।

मैं- ओके हनी..

कुछ देर बाद वो मैक्सी पहन कर आई जो कि आगे से बंधी होती है और आकर बोली-

तुषार जी आप कपड़े उतारेंगे या..

मैं (मुस्कराते हुए)- ये शुभ काम आप कर लीजिएगा ।

उसने तुरंत मेरी पैन्ट और शर्ट उतारी और मेरे लण्ड को अपने हाथ से हिलाते हुए अपने मुँह में लेकर चूसने लगी ।

लगभग 5 मिनट बाद उसने कहा- चलो बेडरूम में चलते हैं ।

वो चूतड़ों को मटकाते हुए चल पड़ी.. मैं उसके पीछे-पीछे अपने खड़े लण्ड को लेकर चल पड़ा ।

अन्दर जाते ही उसने बेडरूम का एसी चालू किया.. गेट बंद करके लाइट ऑफ करके मेरे गले से लिपट गई और जबरदस्त चुम्बन करने लगी ।

मैंने भी उसका पूरा साथ दिया और चूचे दबाते हुए उसकी मैक्सी आगे से खोल कर उतार दी । उसके चूचे एकदम गोरे और बड़े सख्त थे और चूत तो बिल्कुल सफाचट थी ।

करीब 15 मिनट की लम्बी चूमाचाटी के बाद मैंने उसे बिस्तर पर लिटा दिया और उसकी टाँगें चौड़ा कर उसकी चूत पर अपनी जीभ को जैसे ही लगाया.. वो सिसकारी लेने लगी, उसके मुँह से 'आह.. स्स्स्स्.. ओ.. ऊउह..' की आवाजें निकलने लगीं ।

'चाटो.. मेरी प्यासी चूत को यारर.. बहुत मजा आ रहा है..'

मैं उसकी चूत को अन्दर तक चाटने लगा । दस मिनट में 2 बार उसकी चूत का अमृत निकला ।

मैं उसकी टाँगों को चौड़ा करके अपना लण्ड उसकी चूत पर रगड़ने लगा । फिर शुरू हुई असली चुदाई लीला.. मैं उसे जम कर चोदने लगा ।

'आह.. उह.. मम्म.. स्स्स्स् चोदो.. और जोर से.. मम्म.. स्स्स्.. बड़ा मजा आ रहा है मेरी

जान.. फाइ दो आज इसे.. म्मम्मम.. स्स्स्स.. आआह..'

करीब 15 मिनट के बाद मेरा भी अमृत निकलने वाला था, मैंने जाहून्वी से पूछा- जाहून्वी जी.. कहाँ निकलवाना है.. मुझे मेरा अमृत ?

जाहून्वी- अरे यार अन्दर ही छोड़ दो..

मैंने अपने अमृत की 5-6 पिचकारियाँ उसकी चूत में छोड़ दीं ।

अब हम दोनों बिस्तर पर लेट गए और बातें करने लगे और थोड़ी देर बाद वो बोली- ओह शिट.. मैंने तो रेस्टोरेंट से लंच मंगवाया था ।

इतना कह कर वो रसोई में जाने के लिए अपनी मैक्सी पहनने लगी ।

मैंने कहा- अगर आपको ऐतराज न हो.. तो प्लीज आप बिना कपड़ों के ही जाइए ना..

जाहून्वी (तिरछी नजरों से देखते हुए)- आप भी पूरे रोमाँटिक हो.

मैं- जी.. इसमें तो कोई शक नहीं है ।

यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

वो नंगी ही रसोई में खाना लेने चली गई और मैं टीवी ऑन करके देखने लगा । कुछ देर बाद वो खाना लेकर आई और हमने मिलकर खाना खाया ।

खाना खाकर तो जैसे उसमें पहले से भी ज्यादा ताकत आ गई थी और वो मेरे ऊपर आकर मुझे चूमने लगी ।

मैं भी तैयार था.. काफी देर तक चुम्मा-चाटी चली.. फिर मैंने एक राउंड और लगाया और उसे हचक कर चोदने लगा ।

पूरे कमरे में 'फच.. फच.. पट.. पट..' की आवाजें गूँज रही थीं ।

इस तरह उस दिन मैंने उसको 2 बार संतुष्ट किया ।

वो खुश भी थी और अंत में मुझसे बोली- तुषार.. आज सच में मैं तृप्त हूँ.. तुमने मुझे प्यार देकर मेरी सारी प्यास बुझा दी.. थैंक्स यार..

मैं- योर वेलकम जाहन्वी.. आपको संतुष्ट करना ही तो मेरा काम है..

उसने मुझसे पूछा- आपका चार्ज कितना देना है मुझे ?

मैं- आपने नीतू से नहीं पूछा.. ?

जाहन्वी- नहीं..

मैं- ओके.. आपको जो ठीक लगे.. दे दो..

वो अन्दर से 3000 रुपये लेकर आई और मेरे को देकर बोली- कम तो नहीं हैं ?

मैं- नहीं.. आपने ज्यादा दिए हैं और मैं 500 वापिस करने लगा.. तो वो बोली- आपने मुझे

आज पूरी तरह से तृप्त किया है.. उसके सामने पैसे की कोई अहमियत नहीं है।

मुझसे उसने 500 वापस भी नहीं लिए.. तो मैंने कहा- जाहन्वी जी.. मुझे पैसे से ज्यादा

आपका नेचर पसंद आया.. इसलिए मैं आपसे ज्यादा नहीं लूँगा।

यह कहकर मैंने उसको 500 रुपये लौटा दिए।

फिर जाते-जाते उसने बोला- एक बात पूछूँ तुषार जी ?

मैं- जी.. क्यों नहीं..

‘आप काल ब्वाँय तो नहीं लगते.. किसी अच्छे घर के लगते हो।’

यह मेरे अहम पर चोट थी.. मैं- जाहन्वी जी.. लगती तो आप भी नहीं हो ऐसी.. वैसे मुझे सेक्स का शौक है.. मैं पैसे के लिए ही काम करता हूँ।

जाहन्वी- वैसे अच्छा शौक है आपका..

मैं वहाँ से आ गया।

उसके बाद मैं उससे मिलता रहता हूँ।

तो दोस्तो, कैसी लगी आपको मेरी ये सच्ची घटना.. प्लीज जरूर बताइएगा और अगर कुछ गलती हुई हो.. तो प्लीज मुझे मेल करके बताइएगा.. ताकि मैं आगे उसमें सुधार कर सकूँ।

loverboy9223@gmail.com

